# S-348

Total Pages : 3 Roll No. .....

# MAJY-603

**ज्योतिष प्रबोध-01**

MA Jyotish (MAJY)

3rd Semester Examination, 2022 (Dec.)

**Time : 2 Hours]** **Max. Marks : 70**

**नोट :** यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

## ( खण्ड-क )

## ( दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न )

**नोट :** खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. उपपत्ति सहित अयनांश की विधि उपस्थापित करें।

2. क्षेत्र बताते हुए दिक्-ज्ञान विधि उपस्थापित करें।

3. सोपपत्तिक अक्षक्षेत्रों का परिचय दीजिए।

4. आचार्य वाराहमिहिर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का विस्तृत वर्णन करें।

5. ज्योतिष के क्षेत्र में भास्काराचार्य के योगदान की समीक्षा उपस्थापित करें।

## ( खण्ड-ख )

## ( लघु उत्तरों वाले प्रश्न )

**नोट :** खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. स्वकल्पित उदाहरण द्वारा लग्न का साधन कीजिए।

2. चलभा का परिचय देते हुए पलभा द्वारा चरखण्ड एवं स्वोदयमान साधन विधि प्रदर्शित करें।

3. आर्यभट्ट के अक्षरविन्यास पद्धति का वर्णन करें।

4. भास्कराचार्य के उदयान्तर का स्वरूप उपस्थापित करें।

5. कमलकर भट्ट वर्णित सृष्ट्यादि एवं कल्पादि का भेद उपस्थापित करें।

6. आचार्य लगध के वेदाङ्ग ज्योतिष का परिचय उपस्थापित करें।

7. गणेश दैवज्ञ का जीवन वृत्त लिखें।

8. सामन्तचन्द्रशेखर के ज्योतिष शास्त्रीय योगदान का वर्णन करें।